# उत्तराखंड खनन नीति का देशभर में डंका

## जम्मू-कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ की टीम भी कर रही अध्ययन, पारदर्शिता और तकनीकी निगरानी का मॉडल बना मिसाल

लक्ष्मण बिष्ट

**किच्छा।** प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध उत्तराखंड ने खनन क्षेत्र में अपनी नीतिगत पहल और तकनीक आधारित व्यवस्थाओं से देश के दूसरे राज्यों का ध्यान आकर्षित किया है।

खनन प्रक्रिया में पारदर्शिता, ई-नीलामी, ऑनलाइन व्यवस्था, राजस्व वृद्धि और अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में उठाए गए कदम अब अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बनकर उभर रहे हैं। उत्तराखंड की खनन नीति का अध्ययन करने के लिए जम्मू-कश्मीर के बाद अब छत्तीसगढ़ की खनन टीम भी यहां पहुंची है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों पर खनन निदेशक राजपाल लेघा ने खनन व्यवस्था में तकनीक और पारदर्शिता को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।



खनन नीति के बारे में जानकारी लेती छत्तीसगढ़ की टीम

ऑनलाइन प्रक्रियाओं, ई-नीलामी और तकनीकी निगरानी के माध्यम से खनन पट्टों के आवंटन को अधिक निष्पक्ष बनाने के साथ सरकारी राजस्व बढ़ाने और अवैध खनन पर नियंत्रण के प्रयास किए जा रहे हैं। दरअसल, उत्तराखंड में लंबे समय से खनन गतिविधियां संचालित होने के बावजूद अपेक्षित राजस्व वृद्धि एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। खनन निदेशक राजपाल लेघा ने इसे चुनौती के रूप में लेते हुए व्यवस्था में सुधार और तकनीकी निगरानी को मजबूत करने पर जोर दिया। इसके परिणामस्वरूप खनन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने, राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसने की दिशा में प्रयास तेज हुए हैं। खनन नीति का उद्देश्य केवल सरकारी राजस्व में वृद्धि करना नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का नियमानुसार और नियंत्रित दोहन सुनिश्चित करना भी है। इसके लिए खनन क्षेत्रों की निगरानी, नियमों का अनुपालन और अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई महत्वपूर्ण है।

तकनीक आधारित व्यवस्था से खनन गतिविधियों पर नजर रखने और अनियमितताओं को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। पर्वतीय भूगोल और पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील राज्य होने के कारण उत्तराखंड में खनन प्रबंधन हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे में यहां विकसित की जा रही व्यवस्थाओं का दूसरे राज्यों द्वारा अध्ययन किया जाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पारदर्शिता, आधुनिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और सख्त निगरानी को एक साथ लागू करके खनन क्षेत्र को अधिक व्यवस्थित और जवाबदेह बनाया जा सकता है। उत्तराखंड की खनन नीति में मिल रही दूसरे राज्यों की रुचि राज्य के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन और खनन निदेशक राजपाल लेघा के प्रयासों से तैयार हो रही इस व्यवस्था को अब अन्य राज्य भी अपने यहां लागू करने की संभावनाओं के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, इस मॉडल की वास्तविक सफलता के लिए जमीनी स्तर पर अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, पर्यावरणीय मानकों का पालन और पारदर्शी राजस्व व्यवस्था सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा।